नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी
स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.............................. दिनांक : 11.02.2022

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के अंग्रेज़ी विभाग में लिटरेरी क्रिटिसिज़म विषय पर ऑनलाइन सप्त दिवसीय कार्यशाला के पाँचवे दिन प्रेक्टिकल क्रिटिसिज़म विषय पर डॉक्टर शिखा मालवीय विभागाध्यक्ष, अंग्रेज़ी विभाग श्री बृज बिहारी डिग्री कॉलेज, कौशी कला, मथुरा ने प्रतिभगियो को संबोधित करते हुए कहा कि व्यावहारिक आलोचना का किसी विशेष सैद्धांतिक दृष्टिकोण के साथ कोई आवश्यक संबंध नहीं है, और उन मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को छोड़ दिया है जो मूल रूप से इसे रेखांकित करते थे। हालाँकि, अनुशासन के कुछ बुनियादी नियम हैं जो प्रभावित करते हैं कि इसमें प्रशिक्षित लोग साहित्य के प्रति कैसे प्रतिक्रिया देंगे। इसे बड़े सैद्धांतिक प्रश्नों के बजाय, विशेष कार्यों के रूप और अर्थ पर ध्यान केंद्रित करने वाले उत्साहजनक रीडिंग के रूप में देखा जा सकता है। ऐतिहासिक प्रक्रियाओं से नैदानिक अलगाव में एक कविता पढ़ने की प्रक्रिया का अर्थ यह भी हो सकता है कि साहित्य को गतिविधि के क्षेत्र के रूप में माना जाता है जो आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों से अलग है, या इसके लेखक के जीवन से अलग है।

छात्रों को पढ़ने और टिप्पणी करने के लिए कविताओं का चयन दिया गया था, लेकिन उन्हें कविताओं के शीर्षक नहीं दिए गए थे, और न ही उन्हें यह बताया गया था कि कविताओं के लेखक कौन थे। विचार यह था कि छात्रों को उनके सामने जो कुछ भी था उसके आधार पर उनके सामने के ग्रंथों का न्याय करना चाहिए।

कार्यशाला के पाँचवे दिन विभाग के सभी छात्र/छात्रा ऑनलाइन जुड़े , कार्यशाला के अंत में विभाग प्रभारी कविता मंध्यान ने विषय विशेषज्ञ डॉक्टर शिखा मालवीय का आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला का संचालन विभाग के छात्र श्री दुर्गेश ने किया ।

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

आज ही महाविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग एवं प्राचीन इतिहास विभाग के छात्र/छात्राओ ने अपने अपने अभिगृहीत ग्राम ककहरिया एवं छोटी रेतवहिया में ग्रामीणों को मतदान करने के लिए जागरूक करते हुए ग्रामीणों को मतदान का महत्व बताया कि किस प्रकार सरकार बनाने के लिए हर एक वोट अमूल्य होता है। 1–1 वोट से सरकार बनती और बिगड़ती है। इसलिए हर किसी को निष्पक्ष तरीके से मतदान करना चाहिए, और राष्ट्र के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए साथ ही देश के विकास करवाने के लिए सक्षम व्यक्ति के चयन में सहयोग करना चाहिए ताकि हमारा देश लगातार तरक्की की नई ऊंचाइयों को छू सके।

डॉ. सुबोध मिश्र
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी